

//-- सुविचार --//

दृढ़ता से खड़े रहने से पहले
तय कर लें कि आपके पांव
सही जगह पर हैं।

आज

बेबाक

उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव की साथकल को धक्का लगाने के लिए ममता बेनर्जी पहुंची थीं। दो दिनों तक उन्होंने वहां समाजवादी पार्टी के पक्ष में चुनाव प्रचार किया। यह वहीं ममता बेनर्जी है जिन्होंने बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के लोगों को गुंडा कहा था। यदि वाकई यूपी वाले गुंडे होते तो दीदी वहां दो दिन तो क्या दो घंटे भी नहीं रह पाती। दीदी के चुनाव प्रचार से टीपू की पार्टी को फायदा न मिले तो उन्हें चाहिए कि वे इमरान खान और तालिबानियों को चुनाव प्रचार के लिए बुलाकर अपनी किस्मत आजमा लें।

सूर्योदय
उदय : 6:28 प्रातः
अस्त : 5:32 संध्या
जनसंख्या
विश्व : 7,926,225,910
भारत : 1,402,246,050
बाजार
संसेक्स : 58926.03
निफ्टी : 17605.80
गोल्ड : 49,970 प्रति 10 ग्राम
चांदी : 62,700 प्रति किग्रा
अण्डा दर : 4.66 प्रति नग
आज का दिवस
विश्व यूनानी दिवस: हर साल 11 फरवरी को विश्व यूनानी दिवस मनाया जाता है। विश्व यूनानी दिवस का मुख्य उद्देश्य इसके निवारक और उपचारालोक चिकित्सा के जरिए यूनानी चिकित्सा पद्धति की मदद से स्वास्थ्य देखभाल सेवा सुधारा करने के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन हर साल प्रसिद्ध यूनानी विद्वान और समाज सुधारक हक्वीम अजमल खान की जयंती के रूप में मनाया जाता है। पहला यूनानी दिवस 2017 में केंद्रीय अनुसंधान संस्थान यूनानी चिकित्सा हैदराबाद में मनाया गया भारत में यूनानी चिकित्सा पद्धति का एक लंबा और प्रभावशाली इतिहास रहा है। हक्वीम अजमल खान, बहुमुखी प्रतिभा के धनी हक्वीम अजमल खान एक प्रसिद्ध भारतीय यूनानी चिकित्सक, महान विद्वान, समाज सुधारक, लोकप्रिय स्वतंत्रता सेनानी, यूनानी चिकित्सा शिक्षाविद और यूनानी चिकित्सा पद्धति में वैज्ञानिक अनुसंधान के संस्थापक थे।

नई दिल्ली। लेजेन्ड्री सिंगर लता मंगेशकर के परिवार ने उन्हें आखिरी अलविदा कह दिया है। गुरुवार को लता दीदी की अस्थियों को उनके परिवार ने नासिक के पवित्र रामकुंड में विसर्जित कर दिया। रामकुंड, गोदावरी नदी के किनारे है। लता मंगेशकर का निधन 6 फरवरी को हुआ था. इस अस्थि विसर्जन में लता मंगेशकर के भतीजे आदिनाथ मंगेशकर के साथ कुछ परिवारवाले शामिल हुए थे. इसके अलावा नासिक में रहने वाले कुछ आम लोग भी गोदा घाट पर लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि

लता मंगेशकर की अस्थियां नासिक के पवित्र रामकुंड में विसर्जित

● परिवार ने दी आखिरी विदाई

नई दिल्ली। लेजेन्ड्री सिंगर लता मंगेशकर के परिवार ने उन्हें आखिरी अलविदा कह दिया है। गुरुवार को लता दीदी की अस्थियों को उनके परिवार ने नासिक के पवित्र रामकुंड में विसर्जित कर दिया। रामकुंड, गोदावरी नदी के किनारे है। लता मंगेशकर का निधन 6 फरवरी को हुआ था. इस अस्थि विसर्जन में लता मंगेशकर के भतीजे आदिनाथ मंगेशकर के साथ कुछ परिवारवाले शामिल हुए थे. इसके अलावा नासिक में रहने वाले कुछ आम लोग भी गोदा घाट पर लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि



दैनिक

आदिवासी तमसः परमस्य

प्रदेश के साथ पूरा देश...

नवप्रदेश

अंदर के पृष्ठों पर 3 | आंचलिक 4 | अभिव्यक्ति 5 | आंचलिक 7 | छत्तीसगढ़

RNI NO.MPHIN/2017/72749 भोपाल, शुक्रवार 11 फरवरी 2022, शुक्ल पक्ष एकादशी, विक्रम संवत-2078 वर्ष-05 अंक-276 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए भोपाल, जबलपुर, रायपुर, बिलासपुर, व रांची से एक साथ प्रकाशित

टांग खींचने वाली केकड़ा पार्टी नहीं कर सकती उत्तराखंड का विकास: सीएम चौहान

बाखली के खेल मैदान से सीएम शिवराज ने चलाए कांग्रेस पर शब्दबाण, कहा- जो आपस में ही उलझें हैं, वह प्रदेश का भला कैसे करेंगे

भोपाल/ उत्तराखंड । उत्तराखंड में भाजपा ने भारी संख्या में स्टार प्रचारक मैदान में उतारे हैं। चुनाव प्रचार में भाजपा ने बढ़त भी बनाई हुई है। इसी क्रम में उत्तराखंड पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में कोई विकास कर सकता है तो वह

उत्तराखंड पहुंचे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला

मोदी-धामी सरकार है। कांग्रेस तो केकड़ा पार्टी है। एक-दूसरे की टांग खींचने का काम करने वाली यह पार्टी उत्तराखंड का क्या भला करेगी।

राहाट विधानसभा के चौखुटिया में सभा को संबोधित हुए मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जन आंदोलन की भूमि को नमन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उत्तराखंड को बनाया और पीएम मोदी ने इस संवराने का काम किया। चार धाम के साथ यहां अब पांचवां धाम सैन्य धाम के रूप में बनने जा रहा



है। यह यहां के सभी शहीदों, पूर्व सैनिकों का सम्मान है।डबल इंजन की सरकार ने उत्तराखंड में विकास

हिजाब की मांग करने वालों को हाईकोर्ट का झटका

मजहबी ड्रेस की जिद नहीं कर सकते छात्र : चीफ जस्टिस

बेंगलुरु। कर्नाटक के स्कूलों एवं कॉलेजों में छात्राओं के हिजाब पहनने को लेकर छिड़े विवाद पर आज भी हाई कोर्ट में कोई फैसला नहीं हो पाया है। अदालत ने मामले की सुनवाई सोमवार तक के लिए टाल दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा है कि छात्र स्कूलों और कॉलेजों से धार्मिक ड्रेस के लिए ज़िद नहीं कर सकते हैं। चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी ने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों को तत्काल खोलना चाहिए और पढ़ाई होना जरूरी है।



अदालत की ओर से आ सकता है। छात्राओं के वकील बोले- किसी कानून में पाबंदी की बात नहीं: केस की सुनवाई के दौरान हिजाब पहनने की मांग करने की वाली छात्राओं के वकील संजय हेगड़े ने कहा कि यूनिफॉर्म को लेकर कर्नाटक एजुकेशन एक्ट में कोई बात नहीं कही गई है। उन्होंने अदालत में कहा, 'कर्नाटक एजुकेशन एक्ट में यूनिफॉर्म को लेकर कोई स्पेशल प्रावधान नहीं है।' उन्होंने यह भी कहा कि हिजाब

अब हैदराबाद में शुरू हुआ हिजाब पर विवाद, बैन पर कॉलेज चेयरमैन को मांगनी पड़ गई माफी

हैदराबाद। कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब का विवाद अब हैदराबाद तक पहुंच गया है। हैदराबाद में एक निजी कॉलेज में मुस्लिम स्टूडेंट्स के बुर्का और हिजाब पहनने पर बैन लगाने को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सिकंदराबाद के स्वीकार एकेडमी ऑफरिहैबिलिटेशन स्टडीज (एसएआरएस) की छात्रा फातिमा नाम की एक छात्रा ने बुधवार रात ट्विटर पर आरोप लगाया कि उसके संस्थान के चेयरमैन डॉ पी हनुमंत राव ने मुस्लिम लड़कियों के लिए कॉलेज में बुर्का पहनकर एंट्री को बैन कर दिया था। ट्वीट में फातिमा ने लिखा, 'यह आश्चर्यजनक है कि यह हैदराबाद में हो रहा है। हमें न्याय चाहिए। इतना ही नहीं हमें एडमिशन लेने से पहले ड्रेसकोड चेकलिस्ट को 'टिक' करने के लिए कस गया था। उसमें बुर्के को हटाने का कोई गिक नहीं था।' फातिमा ने आगे लिखा कि यह आदमी एक धर्म को निशाना बना रहा है।

इस्लाम का हिस्सा है और इसे स्कूल एवं कॉलेजों की ओर से अनुमति नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्दी ही फैसला लिए जाने की जरूरत है ताकि छात्रों की पढ़ाई पर असर न हो क्योंकि मार्च में ही उनके एग्जाम भी होने वाले हैं। सरकार का पक्ष रख रहे अर्टोनी जनरल ने कहा कि ड्रेस कोड को स्कूल अथवा कॉलेजों में फॉलो किया जाना चाहिए। इससे पहले बुधवार को जस्टिस कृष्णा दीक्षित की अदालत ने मामले को बड़ी बेंच के समक्ष भेज दिया था। आज हुई सुनवाई में चीफ जस्टिस रितु राज अवस्थी, जस्टिस कृष्णा दीक्षित और जेएम खाजी शामिल थे। अर्टोनी जनरल ने कहा कि छात्रों को स्कार्फ या हिजाब अथवा भगवा नामछे के साथ एंट्री नहीं दी जा सकती। यह अच्छी स्थिति नहीं होगी। छात्रों को यूनिफॉर्म कोड के साथ ही स्कूलों में आना होगा।

6 बजे तक 57.79% से अधिक मतदान



● वोट डालने से चूक गए आरएलडी चीफ जयंत चौधरी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 11 जिलों की 58 सीटों पर वोटिंग खत्म हो चुकी है। शाम 6 बजे तक यूपी में 57.79 फीसदी से अधिक मतदान हुआ. उधर, आरएलडी के चीफ जयंत चौधरी मतदान से चूक गए हैं. मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक हुआ. कोरोना के चलते वोटिंग के लिए चुनाव आयोग ने 1 घंटे का समय बढ़ाया है. पहले चरण में 623 उम्मीदवारों की किस्मत का फैसला होगा. 58 सीटों में से 12 सीटें संवेदनशील हैं. ये सीटें खैरागढ़, फतेहाबाद, आगरा दक्षिण, बां, छाता, मथुरा, सरधना, मेरठ शहर, छपरौली,

बड़ौत, बागपत और कैराना हैं. पहले चरण में 898 मोहल्ले और 5355 पोलिंग सेंटर संवेदनशील रखे गए हैं. पश्चिमी उत्तरप्रदेश के 11 जनपदों की 58 विधानसभा सीटों में शाम 5 बजे तक कुल 57.79% मतदान हुआ। अभी तक मुजफ्फरनगर में सबसे ज्यादा 62.14% मतदान हुआ निर्वाचन आयोग ने जारी किया अब तक होने वाले मतदान का प्रतिशत: आगरा में शाम 5 बजे तक 56.61% मतदान हुआ-अलीगढ़ में शाम 5 बजे तक 57.25% मतदान हुआ-बागपत में शाम 5 बजे तक 61.35% मतदान हुआ-बुलंदशहर में शाम 5 बजे तक 60.52% मतदान हुआ-गौतमबुद्धनगर में शाम 5 बजे तक 54.77% शेष पृष्ठ 7 पर

124 दिन बाद जेल से बाहर आएगा आशीष मिश्रा!

लखनऊ। लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा के मामले में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को को 124 दिन बाद जमानत मिल गई है. पिछले साल 3 अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकुनिया में हुई हिंसा के मामले में आशीष मिश्रा को 9 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया था. हालांकि, आशीष मिश्रा के जेल से बाहर आने में एक-दो दिन और लग सकते हैं. आशीष मिश्रा के वकील अवधेश सिंह ने बताया कि इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने जमानत दे दी है, लेकिन अभी आदेश आना बाकी है. उन्होंने बताया कि आदेश आने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी. इसमें एक-दो दिन का समय लग सकता है. आशीष मिश्रा को जमानत क्यों मिली? - आशीष मिश्रा के वकील सलिल श्रीवास्तव ने जमानत मिलने का आधार बताया है. उन्होंने बताया कि गाड़ी आशीष मिश्रा नहीं, बल्कि हरिओम मिश्रा चला रहा था और उन्होंने डिफेंस में गाड़ी चलाई थी. - उन्होंने कहा कि ड्राइवर के अपराध के लिए आशीष मिश्रा को जिम्मेदार कैसे ठहराया जा सकता है?

मनी लॉन्ड्रिंग केस में विजय माल्या के पास आखिरी मौका

ड्ड सुप्रीम कोर्ट ने 24 फरवरी तक पेश होने को कहा

नई दिल्ली (ए.)। भगौड़ा कारोबारी विजय माल्या को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में अपना बचाव करने के लिए देश की सर्वोच्च अदालत में आखिरी मौका मिला है। माल्या को 24 फरवरी तक कोर्ट में पेश होने के लिए कहा गया है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नीरव मोदी और विजय माल्या जैसे भगौड़े कारोबारियों की वतन वापसी के लिए सरकार से उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई को



रोकने पर विचार करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने भगौड़ा कारोबारी विजय माल्या को आखिरी मौका देते हुए आगामी 24 फरवरी को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि ये विजय माल्या के लिए आखिरी मौका है, जिसमें वे अपने बचाव के लिए कोर्ट में उपस्थित रहें। गौरतलब है कि एक सप्ताह पहले सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को सलाह दी थी कि जो भगौड़े कारोबारी पैसों का भुगतान करने के लिए तैयार हैं तो क्यों न उन्हें भारत लौटने देने और उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्यवाहियों को रोकने पर विचार किया जाए। जस्टिस संजय किशन कोल और एमएम सुंदरेश की पीठ ने कहा था कि कानूनी कार्रवाई में कई वर्ष लगेगे और एजेंसियां

शेष पृष्ठ 7 पर

WWE रेसलर द ग्रेट खली राजनीति के रिंग में उतरे

ड्ड चुनाव के बीच भाजपा का दामन थामा

नई दिल्ली (ए.)। पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनाव के बीच WWE में भारत का मान बढ़ाने वाले रेसलर द ग्रेट खली ने आज भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। उन्होंने दिल्ली स्थित भाजपा हेडक्वार्टर में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की मौजूदगी में भगवा पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आपको बता दें कि खली हिमाचल प्रदेश के मूल निवासी हैं।



उन्होंने बीते साल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात की थी।आपको बता दें कि खली के राजनीति में आने की संभावना बीते शेष पृष्ठ 7 पर

मौत की सजा के पक्ष में झुकना नहीं चाहिए : सुको

दिल्ली (ए.)। सुप्रीम कोर्ट ने मौत की सजा के संबंध में एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है. कोर्ट ने कहा है कि जुर्म कितना भी खोफनाक क्यों ना हो, दोषी की मौत की सजा को कम किए जाने के कारणों पर जजों को विचार करना चाहिए. अदालत का यह फैसला सात साल की एक बच्ची के बलात्कार और हत्या के मामले में आया. पप्पू नाम के इस व्यक्ति को 2015 में उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में सात साल की एक बच्ची का बलात्कार और हत्या करने का दोषी पाया गया था. उस वक्त पप्पू की उम्र 33-34 साल थी.

गुजरात दंगे के 20 साल पूरे होने पर यूके की संसद में उठा मुद्दा

ड्ड सांसद बोलीं- दो नागरिकों के अवशेष वापस लाए जाएं

लंदन (ए.)। गुजरात में हुए सांप्रदायिक दंगों के 20 साल पूरे होने पर यूके की संसद में इससे जुड़ा मुद्दा गूजने लगा। बुधवार को लेबर पार्टी के सांसद किम लीडबीटर ने कहा कि इन दंगों में दो ब्रिटिश नागरिकों की मौत हो गई थी और भारत को उनके अवशेष लौटा देने चाहिए। उन्होंने कहा कि यूके सरकार को भारत के सामने यह मुद्दा रखा चाहिए



और पूछना चाहिए कि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई थी। सांसद किम लीबीटर योर्कशायर के बैटली और स्पेन से सांसद हैं। विदेश मंत्री अमांडा शेष पृष्ठ 7 पर

सिवनी (चव प्रदेश)। जिल्लें में होने वाली कक्षा 9वाँ से 12वाँ तक की परीक्षाओं को किस तरह से अच्छी तरह संचालित किया जाये जिसको लेकर नेताजी सुभाषचंद्र बोस हायर सेकण्डरी विद्यालय विजयी में प्राचार्य प्रेम नारायण वारंशा एवं मिशन कालेज की प्राचार्य एस.कुमार मेहम की उपस्थिति में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान बताया गया कि लॉकडाउन के पश्चात होने वाली परीक्षाओं में 30 प्रतिशत कोर्स कम कर दिया गया है। साथ ही 40 प्रतिशत वस्तुनिष्ठ प्रश्न परीक्षाओं में समावेश किया गया है। गौरतलब है कि दो वर्षों से आफलाइन परीक्षा नहीं होने के बाद होने वाली परीक्षा में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों में भय का वातावरण दिख रहा है जिसे विभिन्न माध्यमों से दूर करने के लिए अपनी-अपनी शालाओं में प्रयास किये जा रहे हैं। प्राचार्यों ने बताया कि शालाओं में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में मोबाइल एवं नेट की सुविधा न मिलना, बिजली की समस्या के कारण अध्यापन कार्य प्रभावित हुआ। इसको लेकर भी गहन विचार किया गया साथ शालाओं में छात्रों की उपस्थिति को लेकर जो बातें सामने आई हैं उन कठिनाईओं को कैसे दूर किया जायेगा। इस पर भी विचार विमर्श किया गया। दोनों ही प्राचार्यों ने उच्च चर्चा को लेकर भीमोलात्यूचक विचार विमर्श किया। इस संबंध में अपनी शालाओं में शिक्षकों से चर्चा करने बात भी सामने आई।

सिवनी (नव प्रदेश)। सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं भारत स्काउट गाइड जिला संघ चीफ कर्मीशनर दिनेश राय मुमुनू ने सिवनी आगमन पर स्काउट गाइड के पदाधिकारियों का स्वागत किया। विधायक एवं स्काउट गाइड चीफ कर्मीशनर दिनेश राय मुमुनू द्वारा मोगली लेण्ड के नाम से ख्याति रखने वाले सिवनी के समीपस्थ ग्राम बोरदई में स्थित स्काउट गाइड ट्रेनिंग सेंटर को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण केन्द्र की औपचारिक घोषणा करते सिवनी पधारे भारत स्काउट गाइड नेशनल डारेक्टर राजकुमार कौशिक, राज्य सचिव जनवदे, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बी.एल. शर्मा का पुष्प मालाओं से आभूषण कर किया गया। इसके पूर्व नेताजी सुभाषचंद्र बोस स्कूल में हुए स्वागत कार्यक्रम में दिनेश राय मुमुनू एवं आतुल स्काउट पदाधिकारियों ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। तथा ट्रेनिंग सेंटर बोरदई को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण केन्द्र की औपचारिक घोषणा एवं भारत स्काउट गाइड जिला संघ की गतिविधियों के संबंध में चर्चा की गई।



डॉ फटिंग ने लक्ष्य के विरुद्ध प्रकरणों, स्ट्रीट वेंडर योजना बैकवार प्रस्तुत किये गये राज्य सहित केंद्र एवं प्रदेश शासन की आजीविका मिशन विभाग के विभिन्न विभागों के माध्यम से

प्रकरणों, स्ट्रीट वेंडर योजना सहित केंद्र एवं प्रदेश शासन की विभिन्न विभागों के माध्यम से

सिवनी (नव प्रदेश)। कलेक्टर डॉ राहुल हरिदास फटिंग ने बुधवार 9 फरवरी को जल निगम की बंडोल जलप्रदाय योजना अंतर्गत प्रगतिरत कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने योजना के इंटेकमेंट ग्राम मोहना, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट सुआछेड़ा तथा पम्पिंग स्टेशन बंडोल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए योजना की तकनीकी जानकारी जिला प्रबंधक जल निगम के प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों से पानी के भीमगढ़ बांध से लाने, ट्रीटमेंट, पम्पिंग तथा वितरण से सम्बंधित सभी जानकारी लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

A red tractor, heavily caked in mud, is shown in a field. The tractor has a yellow label with the number '1550' on its side. It is parked on a dirt surface, and its tires are completely covered in mud. In the background, there is a wooden structure, possibly a fence or part of a building.

सिंगरौली माड़ा पुलिस ने आज बुधवार को कथुरा स्थित म्यार नदी से अवैध रेत का उत्खनन कर

परिवहन करते एक ट्रैक्टर वाहन को पकड़ते हुए था।
परिसर में सुरक्षाई खड़ा कराया है। उक्त कारवाँ एसपी
बीरेंद्र सिंह, एसपी अनिल सोनकर के दिशा निर्देश
एवं एसडीओपी राजीव पाठक के मार्गदर्शन में गाढ़ा
परासी नागेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यवाही किया है।

म्यार नदी से अवैध रेत का उत्खनन कर परिवहन करते ट्रैक्टर वाहन धारा-पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार माड़ा पुलिस को आज बुधवार को मुखबिरों से सूचना मिली की म्यार नदी से ट्रैक्टर द्वारा रेत का अवैध रूप से उत्खनन कर चोरी छुपे परिवहन किया जा रहा है। इस सूचना पर निरोक्ष नागेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर उपनिरीक्षक अमन वर्मा समेत हमराह स्टाफ ने उक्त क्षेत्र में दौड़ि जा। जिस पर ग्राम कथुग नदी के पास से एक महिंद्रा ट्रैक्टर वाहन क्र.एमपी 66 ए 1035 ट्राली में रेत लोड कर अवैध परिवहन करते पाया गया। ट्रैक्टर का चालक पुलिस को देखकर ट्रैक्टर खड़ा कर मोके से फरार हो गया। जिस पर ट्रैक्टर व ट्रॉली में लोड अवैध रेत को कब्जे में लेकर जप्त किया गया है। वहीं ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध भादवि की धारा 379 के तहत कार्रवाई करते हुए उक्त ट्रैक्टर वाहन को थाने में सुरक्षित खड़ा करते हुए आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।



अध्यक्ष
जितेन्द्र
सनोडिया
द्वारा उदय
सिंह बघेल
को उनकी

कार्यकुशलता, लगन व पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुये, भोंगाखेड़ा मंडलम कमिटी के अध्यक्ष पद से पदोन्नत कर सिवनी ग्रामीण ब्लाक कांग्रेस कमिटी का प्रभारी महामंत्री नियुक्त किया जाता है। इनकी इस नियुक्ति से सभी क्षेत्रीय कांग्रेस जनों में हर्ष व्याप्त है।

नव प्रदेश सीधी। भाजयुगो की समर्पण निधि बैठक पार्टी कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष इंद्र शरण सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में एवं भाजयुगो जिलाध्यक्ष निशांत मिश्रा की अध्यक्षता व प्रदेश के सहकोषाध्यक्ष विवेक सिंह चौहान की विशेष उपस्थिति में संपन्न हुई। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता एवं पदाधिकारियों से संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष इंद्र शरण सिंह चौहान ने कहा कि समर्पण निधि पार्टी की सेवा का एक माध्यम है। पार्टी जन आधारित संगठन होने के कारण यह अपने कार्यकर्ताओं से ही चलती है। समर्पण निधि, कार्यकर्ताओं का पार्टी के प्रति समर्पण भाव है। इसमें सभी मोर्चा, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को लगाना है। और अपनी सामर्थ्य के अनुसार पार्टी के प्रति समर्पण करना है। अध्यक्षीय उद्घोषण में भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष निशांत मिश्रा ने समस्त युवाओं से आग्रह करते हुए कहा

**समर्पण निधि में
युवा मोर्चा अदा
करेगा महत्वपूर्ण
भूमिका: निशांत**

शुक्ला, शक्ति वर्मा , चंद्रधर
द्विवेदी, विकास सिंह,सौरव द्विवेदी
, जितेंद्र गुप्ता, मुनीश
शुक्ला,विक्रमदयित मिश्रा,
ऊतकरिशठ सिंह, मीनल गुप्ता ,
नीतीश पांडेय, शिवम् द्विवेदी,रबेश
गहवरगुप्त, चंद्रदेव चुतुर्वेदी, सरोज
साहू , प्रभात चंदेल,अंशुमन
सिंह,शिवम् तिवारी मिस्टर, शिवम्
तिवारी, पुष्पेंद्र शुक्ला , अभिषेक
तिवारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता
उपस्थित रहे ।

डॉ फटिंग ने लक्ष्य के विरुद्ध प्रकरणों, स्ट्रीट वेंडर योजना बैकवार प्रस्तुत किये गये राज्य सहित केंद्र एवं प्रदेश शासन की आजीविका मिशन विभाग के विभिन्न विभागों के माध्यम से

सिवनी (नव प्रदेश) ।
जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी के
अध्यक्ष राजकुमार खुराना के
अनुमोदन एवं जिला कांग्रेस
कमेटी सिवनी के प्रभारी
महामंत्री ब्रजेशसिंह(लालू) बघेल
की अनुमति से ब्लाक कांग्रेस
कमेटी सिवनी (ग्रामीण) के
अध्यक्ष
जितेन्द्र
सोनोडिया
द्वारा उदय
सिंह बघेल
को उपकी

कार्यकुशलता, लगन व पार्टी के प्रति निष्ठा को देखते हुये, भोंगाखेड़ा मंडलम कमटी के अध्यक्ष पद से पदोन्नत कर सिवनी ग्रामीण ब्लाक कांग्रेस कमटी का प्रभारी महामंत्री नियुक्त किया जाता है। इनकी इस नियुक्ति से सभी क्षेत्रीय कांग्रेस जनों में हर्ष व्याप्त है।

नव प्रदेश सीधी । प्रधानमंत्री
किसान सम्मान निधि योजना के
हितग्राहियों के सत्यापन के लिये
कोशल आइटि को कार्यवाही पूर्ण
करने के लिए समय-सीमा नियत
की गई है। दिनांक 08.02.2022
को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मे माध्यम
से मास्टर ट्रेनर (प्रभारी अधिकारी
भू-अभिलेख/अधीक्षक भू-
अभिलेख आदि) को प्रशिक्षण
प्रदान किया जा चुका है। 09 से
14 फरवरी 2022 तक समस्त
तहसीलदार/नायब
तहसीलदार/पटवारी/पंचायत
सचिव का मास्टर ट्रेनर द्वारा
प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके
साथ ही पटवारी द्वारा पंचायत
सचिव को ग्रामवार सूची प्रदान की
जाएगी तथा पंचायत सचिव द्वारा
प्रत्येक ग्राम में दृष्टव्य स्थान पर
हितग्राही सूची चस्पा की जाएगी।
जिस स्थान पर सूची को चस्पा

किया जाये उस स्थान के फोटो
जिला स्तर पर सुरक्षित रखे जायेंगे।
16 से 20 फरवरी के मध्य विशेष
ग्राम सभा का आयोजन किया
जाएगा। विशेष ग्राम सभा में
योजना की शर्तों एवं हितग्राही
सूची का वाचन किया जाएगा।
साथ ही प्रारूप 01, 02 को तैयार
किया जाएगा एवं ग्राम सभा को
फोटो जिला स्तर पर सुरक्षित रखे
जायेंगे। 21 से 23 फरवरी तक
हस्ताक्षरित प्रारूप 01 एवं 02
संबंधित तहसीलदार की ओर
प्रेषित किए जाएंगे। 24 फरवरी से
05 मार्च के मध्य प्रारूप 01 व 02
के संबंध में व्यक्तिवार पटवारी से
जांच प्रतिवेदन प्राप्त किया जाएगा।
06 से 15 मार्च तक जांच प्रतिवेदन
अनुसार डाटा पी.एम.किसान
पोर्टल पर नियत प्रक्रिया अनुसार
उपलब्ध किया जाएगा। 16 मार्च को
तहसीलदार द्वारा जिले को विस्तृत

जानकारी मय नियत प्रमाण पत्र प्रेषित किया जाएगा एवं 20 मार्च को जिले द्वारा संक्षिप्त जानकारी एवं प्रमाण पत्र आयुक्त भू-अधिभलेख की ओर प्रेषित किया जाएगा कलेक्टर मुजीबुर्रहमान खान द्वारा सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने कहा कि सोशल ऑडिट का उद्देश्य सभी पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से लाभान्वित करना है। कोई भी पात्र योजना के लाभ से वंचित नहीं रहे इसके लिए ग्राम सभा के संबंध में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा कर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के हितग्राहियों की सूची को अद्यतन करने को कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

पथरिया-विकास खंड
पथरिया में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने की मांग बहुप्रतीक्षित है। जागरूक युवाओं और संगठन ने क्षेत्र के सांसद और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद पटेल के लिए पहले जापान भी दे चुके हैं और सोशल मीडिया पर भी नगर के युवाओं द्वारा कैम्पेन भी चलाया जा चुका है। विधानसभा में 2 लाख से अधिक मतदाता हैं और पथरिया की आबादी लगभग 18 हजार से अधिक है। परंतु अब तक यहां पर केंद्रीय विद्यालय तक नहीं है। जिससे बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल पा रही है। रोहित जैन का कहना है कि सांसद जी से कई बार जापान और सोशलमीडिया के माध्यम से जन हित में केंद्रीय विद्यालय कीस्थापना किए जाने की मांग की है विधानसभा में 62 ग्राम पंचायत आती है तहसील मुख्यालय में दूरीराज ग्रामो से विद्यार्थियों का प्रतिदिन आना जाना रहता है जो सिर्फ निजी विद्यालयों में महंगी फीस देकर पढ़ते हैं। केंद्रीय विद्यालयों की स्वीकृति की कार्रवाई जितनी जल्दी होगी उतना ही छात्रों को आने वाले सत्र में लाभ मिल सकेगा। केंद्र सरकार के निर्देशन में शिक्षा के क्षेत्र में अप्रत्याशित कार्य हुए हैं। स्कूल शिक्षा में कीर्तिमान स्थापित करने में केंद्रीय विद्यालय की महती भूमिका है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से विद्यार्थियों का भविष्य संवर सकता है, इसके लिए जरूरतमंद क्षेत्रों में केंद्रीय विद्यालयों की स्थापना होनी चाहिए। पथरिया विधानसभा क्षेत्र लाभान्वित हो, इसके लिए केंद्रीय विद्यालय खोलने की अनुमति मिलना आवश्यक है।

दावा आपत्ति की अंतिम तिथि 14 फरवरी

नव प्रदेश सीधी । रियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना रामपुर नैकिन क्र. 2 (चुहरेट) ने जानकारी देकर बताया कि बाल विकास परियोजना रामपुर नैकिन क्र.2 जिला सीधी के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र मनकीसर क्र.-1 के रिक्त आंगनवाड़ी कार्यकर्ता पद आंगनवाड़ी केन्द्र बडखरा 739 के रिक्त सहायिका पद एवं आंगनवाड़ी केन्द्र ममदर क्र.-1 के रिक्त आंगनवाड़ी सहायिका पद पूर्ति के

लिए अनुविभागीय दण्डाधिकारियों की
रामपुर नैकिन/चुरहट की अध्यक्षता में
में खण्ड स्तरीय चयन समिति का
बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में समिति
के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने
आगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं निर्मा-
केन्द्र की कार्यकर्ता पद के लिए
प्राप्त आवेदन पत्रों एवं संलग्न
अभिलेखों का परीक्षण किया
परीक्षण पत्रांत अर्नात्म सूची तैयार
कर जारी की गई, जिसमें
आगनवाड़ी केन्द्र मनकोसर क्र.-

01 में कार्यकर्ता पद पर राजकली कोल पति कौशल कोल ग्राम मनकोसर तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी प्रथम वरीयता क्रम में, आंगनवाड़ी केन्द्र बड़खरा 739 में सहायिका पद पर कड़िया मिश्रा पति बृहस्पति गौतम ग्राम बड़खरा 739 तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी प्रथम वरीयता क्रम में एवं आंगनवाड़ी केन्द्र ममरुत क्र. -01 में सहायिका पद पर सोनी प्रजापति पति बीरबहादुर प्रजापति ग्राम

ममदर तहसील रामपुर नैकिन जिला सीधी प्रथम वरीयता क्रम में है। चयन समिति द्वारा तैयार अनंतिम सूची कार्यालय अनुविभागीय ढण्डाधिकारी रामपुर नैकिन/चुरहट जिला सीधी कार्यालय परियोजना अधिकारी बाल विकास परियोजना रामपुर नैकिन क्र. 2 (चुरहट) जिला सीधी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत रामपुर नैकिन एवं संबंधित ग्राम पंचायत के सूचना

पटल पर अवलोकनार्थ चस्पा की गई है। प्रकाशित अनंतिम सूची में दावा आपत्ति 07.02.2022 से 14.02.2022 तक परियोजना कार्यालय रामपुर नैकिन में कार्यालयीन समय में प्राप्त किये जायेगें। अन्य कार्यालय में दावा आपत्ति प्रस्तुत किये जाने पर दावा आपत्ति अमान्य होगा

सीधी जिले में 9 करोड़ 56 लाख रुपये का ऋण समूहों के लिए बैंक लिंकेज के माध्यम से स्वीकृत एवं वितरित



किया जाता है। समूह की महिलायें आर्थिक रूप से सशक्त हो सकें, इसके लिए उन्हें आजीविका मिशन एवं बैंक लिंकेज के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती हैं। जिसमें बैंक लिंकेज एक महत्वपूर्ण कड़ी है। बैंक लिंकेज से समूह की महिलाओं को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने में वित्तीय रूप से सहायता मिलती है। बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को कम ब्याज पर समूह की साख के आधार पर आसानी से ऋण उपलब्ध हो जाता है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना आजीविका मिशन के माध्यम से

गतिविधियों को बढ़ाने में वित्तीय रूप से सहायता मिलती है। बैंक लिंकेज कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को कम ब्याज पर समूह की साख के आधार पर आसानी से ऋण उपलब्ध हो जाता है। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना आजीविका मिशन के माध्यम से



कई महिलाओं के सपने साकार हो रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा समस्त जिलों में संचालित आजीविका मिशन की महिलाओं से उनकी संचालित आजीविका गतिविधियों के बारे में बातचीत की गई। महिलाओं द्वारा अपने आजीविका में किस तरह से वृद्धि

हुयी इसके बारे में चर्चा कर
मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया।
कार्यक्रम के समापन के दौरान
मुख्यमंत्री द्वारा आजीविका मिशन
के कार्यों की सराहना करते हुए
समूह की महिलाओं को रोजगार
के अनेक प्रकार से उपलब्ध कराने
की बात कही गयी। उक्त कार्यक्रम

संपादकीय

पहल चरण में उत्साहजनक मतदान

देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसे सत्ता का सेमीफाइनल कहा जा रहा है। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सबसे पहले पहले चरण का मतदान हुआ। जिसमें लगभग 60 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। मतदान केन्द्रों में भारी उंड के बावजूद सुबह से ही लोगों की कतारें लगने लगी थी। मतदान के प्रति लोगों का यह उत्साह चाकई काबिल-ए-तारीफ है। चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान होना भारतीय लोकतंत्र का मजबूत बनावत है। यद्यपि अभी तक शत प्रतिशत मतदान का लक्ष्य दूर है। नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में ही 90 प्रतिशत से ज्यादा मतदान होता है लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनाव में 50 से 60 प्रतिशत तक ही मतदान हो पाता है। यही अब मतदान का औसत बन चुका है। चुनाव आयोग मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाता है। राजनीतिक पार्टियां भी मतदाताओं को अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने के लिए प्रेरित करती रही है इसके बावजूद विधानसभा और लोकसभा चुनाव में औसत मतदान ही हो पाता है। उत्तर प्रदेश में भी औसत मतदान की ही संभावना जताई जा रही थी किन्तु वहां कहीं कहीं 65 प्रतिशत तक मतदान हुआ है जिसे शुभ संकेत माना जाना चाहिए। अभी उत्तर प्रदेश में और 6 चरणों के चुनाव होने बाकी है उसमें भी इसी तरह भारी मतदान होगा यह उम्मीद की जा सकती है। इसी तरह पंजाब गोवा, उत्तराखण्ड और मणिपुर में भी अच्छे मतदान की आशा की जानी चाहिए। जहां तक उत्तर प्रदेश में हुए पहले चरण के मतदान का प्रश्न है तो इसे लेकर हर पार्टी अपने अपने दावे कर रही है। समाजवादी पार्टी तो पहले चरण की सभी 58 सीटों पर जीतने का दावा कर रही है वहीं भाजपा 50 सीटों पर अपनी जीत के प्रति आश्वस्त है। इनमें किसका दावा कितना सही है यह तो ईवीएम का मुंह खुलने के बाद ही पता चलेगा। समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करने वाले भारतीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी चुनाव प्रचार में इतने व्यस्त रहे कि वो खुद अपने विधासभा क्षेत्र में वोट डालने नहीं जा सके। ऐसे नेता जो खुद अपने आप को वोट देने का समय न निकाल पाए वे मतदाताओं को किस मुंसे से मतदान के लिए प्रेरित कर पाएंगे। नेताओं को चाहिए कि वे खुद भी मतदान करें, अपने समर्थकों से मतदान कराएं तभी वे मतदाताओं से मतदान की अपील करें।

विचार

ईश्वर कराए भक्तों के बीच झगड़े ?

हिजाब को लेकर कर्नाटक में जबर्दस्त खट-पट चल पड़ी है। यदि मुस्लिम लड़कियां हिजाब पहनने को लेकर प्रदर्शन कर रही हैं तो हिंदू लड़के भगवा दुपट्ट लगाकर नारे जड़ रहे हैं। उन्हें देख-देखकर दलित लड़के नीले गुलबंद डटाकर नारे लगा रहे हैं। अच्छा है कि वहां समाजवादी नहीं हैं। वरना वे लाल टोपियां लगाकर शोर-शराबा मचाते। समझ में नहीं आता कि शिक्षा-संस्थाओं में सांप्रदायिकता का यह जहर क्यों फैलता जा रहा है? न हिजाब पहनना अपने आप में बुरा है, न भागवा दुपट्टा लपेटना और न ही लाल टोपी लगाना लेकिन यदि आपकी वेशभूषा, खान-पान और भाषा-बोली यदि आपस में बैर करना सिखाती है तो मेरा निवेदन है कि आप उसे तुरंत तज दीजिए। इकबाल ने क्या खूब लिखा था, “मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना, हिंदी हैं, हम वतन हैं, हिंदोस्तां हमारा।” अब मजहबी संकीर्णता और जिद का प्रदर्शन हिजाब, दुपट्टे और टोपी से हो रहा है। कोई इनसे पूछे कि कौनसे धर्मग्रंथ में- वेतन में, बाइबिल में, कुरान में, पुराण में, जिंदावस्ता में या त्रिपिटक में- कहां लिखा है कि आप फ्लां चीज खाएं या न खाएं, फ्लां कपड़ा पहनें या न पहनें, इस करवट सोएं या उस करवट सोएं? इन सब रोजमर्रा के मुद्दों को धर्म या पंथ या संप्रदाय से जोड़कर खून बहाना कौनसी ईश्वर-भक्ति है? यदि यही ईश्वर भक्ति है तो ऐसा विभाजनकारी और विभेदकारी ईश्वर तो ईश्वर हो ही नहीं सकता। वह जगतपिता कैसा जगतपिता है, जो अपनी बच्चों के बीच ही लड़ाई के बीज बो देता है। सारे मजहब मानते हैं कि ईश्वर एक ही है। कोई उसे गॉड, कोई ईश्वर, कोई अल्लह, कोई खुदा, कोई यहोवा, कोई अहुमयज् कहता है। रोजमर्रा की जिंदगी हम किस शैली में गुजारते हैं, इससे उसका क्या लेना-देना है? सारी दुनिया के लोग जो अलग-अलग ढंग के कपड़े पहनते हैं, अलग-अलग ढंग के खाने खाते हैं, अलग-अलग शैली के गाने गाते हैं, वे सब अपने देश-काल से संचालित होते हैं। जो धर्म या पंथ जब अब और जहां पैदा हुआ है, उस पर उस देश (स्थान) और काल (समय) का असर बना रहता है लेकिन उसे दुनिया के हर स्थान और सैकड़ों वर्षों बाद भी जस का तस अपनाने की बात करना घोर अंधविश्वास के अलावा क्या है? क्या धोती-कुर्ता पहनकर कोई साइबेरिया की उंड में जिंदा रह सकता है? क्या अलग लोगों को अब भी की सवारी ही करते रहना चाहिए? दुनिया की सारी ईसाई कन्याओं को माता मरियम की तरह क्या अविवाहित हो रहना चाहिए? क्या भारत के लोग अब भी राजा दशरथ की तरह तीन पत्नियां और द्रौपदी की तरह पांच पति रख सकते हैं? क्या आप भारत में किसी ऐसे मुसलमान पुरुष को जानते हैं, जिसकी कार-बार पत्नियां हों? क्या आप किसी ऐसे घोर ईश्वरभक्त को जानते हैं, जो कोई अतिशयवाणी सुनकर संत इब्राहिम की तरह अपने प्यारे बेटे इजहाक को कुर्बान करने के लिए तैयार हो जाए? हिंदू पुराण-ग्रंथ तो गप्पों की दुकान ही मालूम पड़ते हैं। उनकी कहानियां सुन-सुनकर हम बचपन में आश्चर्यचकित हो जाते थे कि ये भी कोई धर्मग्रंथ हो सकते हैं? मनुष्य जाति का इतिहास बताता है कि मजहबों, पंथों या तथ्याकथित धर्मों ने जहां करोड़ों मनुष्यों को नैतिकता और मर्यादा का पाठ पढ़ाया है।

पाठकों की बात

अपनी दुआओं में



अपनी दुआओं में मेरा ख्याल रखना अपने दिल की दुनिया आबाद रखना सुनो तुम्हारे हम रहे ना रहे मगर मेरी रूह तेरे साथ है ये याद रखना वो इब्नदाए इश्क और आगाजे हमनशीनी इन्ही यादों से सुबह-शाम सजाए रखना हर पल तुम पाओगे मेरे लमिस का पहसास बस गोशा-ए-तन्हाई में मुझे तुम याद रखना। - **डेजी जायसवाल**

जिन्दगी का फलसफा

जिन्दगी का फलसफ है, हादसों का सिलसिला है, ख्वाहिशों का जलजला है !! चाहतों का रास्ता है, दुश्मनों का कारवां है, सच को झूठ ही मिला हैप्यार से बस दर्द ही मिला है, फिर भी ये दिल मनचला है, कहती है ये दुनिया हीसला है !! चीर कर अन्धरा आता उजाला है, जिन्दगी सुख दुख का मेला है, भीड़ है कारवां है अनगिनत चेहरे है बस मेरा ही मन अकेला है। - **अमरजीत सिंह छाबड़ा**

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

.खास पत्नी.

मौन कतई चुप्पी नहीं मौन तो



मौन कतई चुप्पी नहीं मौन तो एकाग्रता है ज्ञानेन्द्रियों में तालमेल बिठाने का इन्द्रियों को संकेद्रित कर आंतरिक शक्तियों को जाग्रत करना मन, मौन और मनन आंतरिक चेतना में संवाद असंभव कार्य को भी संभव करना मन को साधना मनन का आरंभ है शून्य में प्रवाहित तरंगीय शक्ति को मानव शरीर में संचित करना वास्तविक मौन है वायु में बहती तरंगें जल में औषधीय गुण सूर्य किरणों में ऊर्जा धरती से पोषक तत्व अंतरिक्ष से विकरित अस्थंश्च किरणें इच्छाशक्ति को दृढ़ करती बड़े से बड़ा लक्ष्य को सरल और संभव करती प्रकृति में संचित ऊर्जापुंज को आत्मसात करने की शक्ति है मौन मौन में जीवन का मूल है। - **बबली सिन्हा**

सागर की लहर सी इतराती हुई-

सागर की लहर सी इतराती हुई- जा रही हो कहां को बासन्ती हवा? उड़ रहे वादियों में जहां गीत से गर कलहो तो चल्नू साथ में भी वहां जा रही तनहा तनहा नदी के किनारों पे आ मोर की ताल पर झूंमती बदलियां रंग-विरंगे सितारे उड़ें पंख पर- रंग-विरन्गी उड़ें ,रशमी तितलियां गीत गाने लगे मेरा मन बावरा प्रेम के गीत कितने सुनाऊं यहां जा रही.. लेके शबनम हवाएं उड़ी रात को भोर ,सहरा में कितने गुल खिल गये गीत गुलशन में बुलबुल ने गाया कोई नेह वाले कि झिलमिल दिये जल-गये ऐ सलेनीं हवाओं जरा साथ-

दो हम बनाएं चलो ,इक नया सा, जहां जा रही। - **अजय कुमार सिंह भदौरिया**

ऊहे घर बा ऊहे दुअरा,ऊहे ओसारा

ऊहे घर बा ऊहे दुअरा,ऊहे ओसारा बा अबहूँ। तुलसी बाड़ी आँगन में, ऊहे संसार बा अबहूँ। खड़ी माई पकड़ि चऊखट,झलक तोहार देखेके- ऊहे बाबूजी के दिल में,झलकत प्यार बा अबहूँ।- **अमित शिवकुमार दुवे**



श्रवण गर्ग

प्रधानमंत्री ने अपने दोनों भाषणों में क्या कहा उसे इसलिए दोहराने की जरूरत नहीं कि ऐसा करने से अटल बिहारी वाजपेयी सहित ये तमाम विभूतियाँ ससदीय इतिहास के कठघरों में खड़ी की जाएं लगेगी जिन्होंने किसी विपक्षी दल या नेता द्वारा अपनी सरकार गिरा दिए जाने पर भी इस तरह के भाषण संसद में नहीं दिए। जिन अटल जी का उल्लेख प्रधानमंत्री ने उनकी रचना के माध्यम से किया (‘व्याप्त हुआ बर्बर अधियारा, किन्तु चीर कर तम की छाती, चमका हिन्दुस्तान हमारा।शत-शत आघातों को सहकर, जीवित हिन्दुस्तान हमारा। जग के गहटक पर रेली सा, शोषित हिन्दुस्तान हमारा।’)उन्हीं अटल जी ने नेहरू के मित्रज के बाद आपनी श्रद्धांजलि में संसद में कहा था : ‘एक सपना था जो अधूरा रह गया, एक गीत था जो गुंगा हो गया, एक लौ थी जो अगत ने विलीन हो गई। मानवता आज खिन्न हो गयी’।



डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

देश के अन्य राज्यों की तरह हरित क्रांति के बाद बिहार में भी खेती-किसानी भी बदल गई और बदल गया लोगों का खान-पान। कोसी के इलाके में जब कोसी नदी को तटबंध के बीच बांधा गया और इससे नहरे निकाली गई तो 60 के दशक बाद यह इलाका कोसी कमांड क्षेत्र हो गया। कोसी की नहरयें ने इस इलाके के किसानों व्यवस्था को बदल दिया। जि-सिंहें खेती को नया आयाम मिला और उत्पादन में वृद्धि हुई। इसके साथ ही कई फसलों गुम सी हो गईं। इससे पहले इस क्षेत्र में लोग मोटा अनाज खाते थे। मोटे अनाज के लिए विख्यात रही कोसी की धरती से गले ही मोटे अनाज गुलाम हो गए हैं लेकिन इस घोषणा में इसमें जान

अभिव्यक्ति

कांग्रेस को लेकर इतने गुस्से में क्यों हैं प्रधानमंत्री जी?

गुजरात और दिल्ली की सत्ता में निर्बिघ्न इक्कीस साल गुजार लेने, विपक्ष को अपनी ज़रूरत जितना पंगु बना देने और पार्टी के आंतरिक असंतोष को ‘मार्गदर्शक मंडल’ में सभरतापूर्वक रवाना कर देने के बावजूद नरेंद्र मोदी को उस कांग्रेस की ओर से अपने लिए इतनी चुनौती क्यों महसूस करना चाहिए जिसे कि वे मई 2014 में प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के पहले ही लगभग समाप्त कर चुके थे? कोई तो गहरा कारण अवश्य होना चाहिए कि प्रधानमंत्री को गांधी परिवार के प्रति संसद के दोनों सदनों में सात साल के बाद इतनी कड़वाहट के साथ असहिष्णुता व्यक्त करना पड़ रही है ! वे चाहते तो यह काम अपने प्रथम कार्यकाल के पहले बजट सत्र में ही कर सकते थे !

‘विश्व गुरु’ बनने जा रहे भारत देश के प्रधानमंत्री को अगर अपना बहुमूल्य तीन घंटे का समय सिर्फ एक निरीह विपक्षी दल के इतिहास की काल-गणना के लिए समर्पित करना पड़े तो मान लिया जाना चाहिए कि समस्या कुछ ज्यादा ही बड़ी है। आम जनता की समझ से इसके पीछे दो ही कारण हो सकते हैं : या तो ‘पप्पू’ करार दिए गए राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रपति के अभिभाषण पर पेश किए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर लोक सभा में दिए गए अद्भुत भाषण ने सत्ता की चूल्हों को हिला दिया है या फिर उत्तर प्रदेश की सड़कों पर प्रियंका गांधी के रूप में इंदिरा गांधी का जो ‘लड़की हूँ, लड़ सकती हूँ, वाला जो अवतार प्रकट हुआ है उसे लेकर सत्तारूढ़ दल बेचैन है।

प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू से लगाकर तेरहवें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह तक के संसद के बजट सत्रों में तत्कालीन राष्ट्रपतियों के अभिभाषणों पर बहसों के जवाब में (सम्भवतः) किसी भी प्रधानमंत्री ने दोनों सदनों के फ़ोरम का उपयोग किसी एक विश्वी दल की चमड़ी को सार्वजनिक रूप से उधाड़कर उसके जूथों को लहलुहान करने में नहीं किया होगा जिस कि सात और आठ फ़रवरी 2022 को देश और दुनिया के करोड़ों लोगों ने टी वी के पर्दों पर देखा और

चमका हिन्दुस्तान हमारा।शत-शत आघातों को सहकर, जीवित हिन्दुस्तान हमारा। जग के मस्तक पर रेली सा, शोभित हिन्दुस्तान हमारा।’)उन्हीं अटल जी ने नेहरू के निधन के बाद अपनी श्रद्धांजलि में संसद में कहा था : ‘ एक सपना था जो अधूरा रह गया, एक गीत था जो गुंगा हो गया, एक लौ थी जो अनंत में विलीन हो गई। मानवता आज खिन्न हो गयी’। प्रधानमंत्री ने जो कुछ कहा उसे दोहराने से ज्यादा ज़रूरी यह समझना हो



सम्पूर्ण ताकत झोंक दी जिन्हें हथियार बनाकर प्रधानमंत्री अपना ओजस्वी भाषण संसद के दोनों सदनों में दे सके। सत्तारूढ़ दल के सांसदों ने इतनी अधिक बार पहले कभी ‘शेम-शेम’ नहीं उच्चारित किया होगा और न ही इस क़दर मेजें थपथपाई होगी !

प्रधानमंत्री ने अपने दोनों भाषणों में क्या कहा उसे इसलिए दोहराने की ज़रूरत नहीं कि ऐसा करने से अटल बिहारी वाजपेयी सहित ये तमाम विभूतियाँ संसदीय इतिहास के कठघरों में खड़ी की जाने लगेंगी जिन्होंने किसी विपक्षी दल या नेता द्वारा अपनी सरकार गिरा दिए जाने पर भी इस तरह के भाषण संसद में नहीं दिए। जिन अटल जी का उल्लेख प्रधानमंत्री ने उनकी रचना के माध्यम से किया (‘व्याप्त हुआ बर्बर अधियारा, किन्तु चीर कर तम की छाती,

किसानों का खुशहाल बनाएगा मोटा अनाज वर्ष

केंद्र की मोदी सरकार ने आगामी वित्तीय वर्ष के बजट में धरतीपुत्र किसानों के लिये कई बड़ी घोषणाओं का एलान किया है। जिनमें न्यूनतम समर्थन मूल्य के लिये एकमुश्त रकम तय करने, 1208 मीट्रिक टन गेहूँ-धान खरीदने, प्राकृतिक खेती विकसित करने के लिये राज्यों व एमएसएमई की भागीदारी बढ़ाने, ड्रोन का उपयोग बढ़ाने, केन-बेतवा लिंक योजना से सिंचाई का दायरा बढ़ाने, रेलवे की मदद से लॉजिस्टिक विकसित करने जैसी घोषणाएं शामिल हैं। लेकिन एक घोषणा ने देश का ध्यान खींचा, वह है इस साल को मोटा अनाज वर्ष के रूप में मनाया जाना।

दानों के आकार के आधार पर मोटे अनाजों को दो भागों में बांटा गया है। पहला मोटा अनाज जिनमें ज्वार और बाजरा आते हैं। दूसरा, लघु अनाज जिनमें बहुत छोटे दाने वाले मोटे अनाज जैसे रागी, कंगनी, कोदो, चीना, सांवा और कुटकी आदि आते हैं। दरअसल, सदियों से भारत में मोटे अनाज का उत्पादन होता रहा है। इसकी वजह यह कि इसकी उत्पादन लागत कम होती है। अधिक तापमान में खेती संभव है। इसमें सिंचाई के लिये पानी की कम खपत होती है। साथ ही कम उपजाऊ भूमि में इसका उत्पादन हो सकता है। इसके अलावा कीटनाशकों की कम जरूरत होती है और किसान रासायनिक खादों से परहेज करते हुए कोपेस्ट खाद से भी इसका उत्पादन कर सकते हैं। दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2018 में इस दिशा में पहल की थी जिसके उपरांत मोटे अनाज का उत्पादन जो वर्ष 2017-18 में 164 लाख टन था, वह वर्ष 2020-21 जून-जुलाई में बढ़कर 176 लाख टन हो गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस मुद्दे



राष्ट्र महासभा ने भारत के प्रस्ताव को सर्वसम्मति से स्वीकार करते हुए वर्ष 2023 को मोटे अनाज का अंतर्राष्ट्रीय वर्ष घोषित किया है। दरअसल,मोटे अनाज में बाजरा, ज्वार, जौ, कोदो आदि फसलें आती हैं। इस प्रस्ताव को दुनिया के 70 देशों का समर्थन मिला है। निस्संदेह यह इन फसलों के पारिस्थितिकीय लाभ को प्रोत्साहित करने की ओर सार्थक कदम है। इस पहल से न केवल खाद्य सुरक्षा व किसानों के कल्याण को प्रोत्साहन मिलेगा बल्कि यह कृषि वैज्ञानिकों और स्टार्ट-अप समूहों के लिये शोध व नवोन्मेष के रास्ते खोलता है।

निस्संदेह, वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष

पर विशेष ध्यान रहा और उन्होंने वैश्विक स्तर पर भी प्रयास किये। यह भारत के प्रयासों की बड़ी कामयाबी है कि संयुक्त

घोषित करने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय किसानों के लिये नये अवसर विकसित होते हैं। देश के संदर्भ में यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि इनकी पौष्टिकता की संभावनाओं से लोगों के स्वास्थ्य की भी रक्षा होती है। जाहिरा तौर पर परंपरागत फसलों से अधिक कीमत होने के कारण बाजार में ज्वार-बाजरा जैसे मोटे अनाज की मांग बढ़ेगी। इन फसलों के उत्पादन में पानी, रासायनिक खाद व कीटनाशकों की खपत कम होने से किसान की लागत घटेगी। कम उपजाऊ मिट्टी में इन फसलों की खेती की जा सकती है। इलना ही नहीं, ग्लोबल वार्मिंग संकट के चलते मौजूदा फसलों पर जो खतरा मंडरा रहा है, उसे भी कम किया जा सकेगा। बशर्ते अनाज निपणन, भंडारण और आपूर्ति शृंखला की विसर्गितियों को दूर किया जाए। देश के कृषि व खाद्य प्रसंस्करण

उद्योग को भी इस दिशा में पहल करनी चाहिए। दरअसल, हरित क्रांति के बाद खेती-किसानी के तौर-तरीके बदले और कृषि गेहूँ-धान पर केंद्रित हो गई। इसका एक कारण इन फसलों को मिलने वाले न्यूनतम समर्थन का भरोसा भी रहा। देश में संपन्नता आने से लोगों की खानपान की आदतों में भी बदलाव आया जिससे परंपरागत फसलें हाशिये पर चली गईं। दरअसल, आज देश में लोगों को मोटे अनाज से होने वाले स्वास्थ्य लाभ के बारे में जागरूक करने की जरूरत भी है। देश के संप्रांत वर्ग व विदेशों में मोटे अनाज को ‘स्माट फूड’ के तौर पर देखा जा रहा है। ये किसान व खाने वाले की सेहत के लिये फायदेमंद हैं।

QUIZ TIME

- 22 मार्च 2021 को ‘विश्व जल दिवस’ मनाया गया। वर्ष 2021 में इस दिवस का मुख्य विषय क्या है?
- जनवरी 2021 में स्टार्टअप इंडिया अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2021 कहीं सम्पन्न हुआ?
- जनवरी 2021 में किन शहरों के बीच देश की पहली एयर टैक्सी सेवा की शुरूआत हुई?
- 15 फ़रवरी 2021 को किस राज्य में निर्धनों को 5 रूपए में किफ़ायती मूल्य पर भोजन उपलब्ध कराने हेतु ‘मौं’ योजना शुरू की गई?
- अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम ने किसे भारत में अपना नया प्रमुख नियुक्त किया है?

सुब्ब इप्प (5) लाबाबु लब्बुगु (4) रासुडु
इ. शंभुसुत (6) इप्पु ड्रुल (7) रत्ना लइरिन्गु (1) -लाभारत्त



आज का इतिहास

नई दिल्ली । 1613 मुग़ल बादशाह जहांगीर ने ईस्ट इंडिया कंपनी को सूत में कारखाना लगाने की अनुमति दी। 1812 स्वीडेन तथा प्रशिया का शांति सम्झौता। 1750 ड़्क तिलका मांझी का जन्म हुआ था, जो ‘भारतीय स्वाधीनता संग्राम’ के पहले शहीद थे। 1793 प्रशिया की सेना ने नीदरलैंड के वेनलो पर कब्ज़ा किया। 1814 यूरोपिय देश नर्वे ने स्वतंत्रता की घोषणा की। 1889 जापान में मेजी संविधान को अंगीकार किया गया। 1919 प्रेड्रिक एबर्ट जर्मनी के राष्ट्रपति चुने गये। 1944 जर्मन की सेना इटली के अप्रिलिया पर दोबारा गोलडन बौदयर पुरस्कार। 2013 रूस के कोमी क्षेत्र में विस्फोट में 18 खदान कर्मों मारे गये। 2018 सारातोव एयरलाइंस का विमान 703 रूस में दुर्घटनाग्रस्त, 71 लोगों की मौत।

के खिलाफदिल्ली में खेला। 1964 ताइवान ने फ्रांस के साथ कूटनीतिक संबंध तोड़े। 1966 पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का ताशकंद में निधन। 1977 ड़्क भारत के पांचवे राष्ट्रपति फ़ख़रुद्दीन अली अहमद का निधन। 1979 ईरान के प्रधानमंत्री ने इस्तीफा दिया, ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ल ख़मेनी का सत्ता पर कब्ज़ा। 1987 अमेरिका ने नेवादा परीक्षण स्थल पर परमाणु परीक्षण किया। 1990 नेल्सन मंडेला को 27 साल बाद जेल से रिहा किया गया। 2010 60वीं बर्लिन अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म उत्सव में हनी को मिला गोल्डन बौदयर पुरस्कार। 2013 रूस के कोमी क्षेत्र में विस्फोट में 18 खदान कर्मों मारे गये। 2018 सारातोव एयरलाइंस का विमान 703 रूस में दुर्घटनाग्रस्त, 71 लोगों की मौत।

बीजेपी प्रतिनिधिमंडल ने की पीएम आवास घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल अनुसुइया उडके से राजभवन जाकर भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर बस्तर में हुए प्रधानमंत्री आवास घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की। इसके साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओं पर प्रदेश सरकार के इशारे पर पुलिसिया दुर्व्यवहार पर भी चर्चा हुई।

प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि प्रदेश में जब से कांग्रेस सत्ता में आई है तब से कांग्रेसियों को भ्रष्टाचार करने, भय फैलाने का लाइसेंस मिल गया है। यह सब

कुछ प्रदेश के मुख्यमंत्री के इशारे पर हो रहा है। बस्तर में जो आवास घोटाला हुआ है उसकी जांच को लेकर कुछ भी नहीं हो रहा है। हमारे कार्यकर्ता लोकतांत्रिक ढंग से प्रदर्शन कर रहे हैं तो उन पर पुलिसिया कहर बरपाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा कि अपने हितों के लिए अलोकतांत्रिक प्रक्रिया को अपनाना कांग्रेस का जन्मसिध्द अधिकार बन गया है और इसी रास्ते पर कांग्रेस के कार्यकर्ता चलकर सत्ता के आनंद में मस्त है। उन्होंने कहा कि बस्तर में मुख्यमंत्री



भूपेश बघेल के इशारे पर कांग्रेस के दोषी पार्षद को बचाया जा रहा

है जिस पर पैसा लेकर आवास देने का आरोप है।

पूर्व मंत्री व वरिष्ठ विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि

प्रदेश की सरकार दमनकारी नीतियों का सहारा लेकर हमारे कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित कर रही है। बस्तर में जिस तरह से कार्यकर्ताओं पर पुलिसिया कार्यवाही बर्बरता से की गई यह बताता है कि प्रदेश में खोफ की सरकार चल रही है और सारा रिमोट कंट्रोल मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के हाथ में है।

पूर्व मंत्री व भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस की पहली प्राथमिकता भ्रष्टाचार करो, दूसरी प्राथमिकता भ्रष्टाचारियों को बचाओं व तीसरी

प्राथमिकता पुलिस के मार्फत लोकतांत्रिक प्रक्रिया से प्रदर्शन कर रहे विपक्ष को प्रताड़ित करो। लेकिन इन सबके बाद भी हम भयभीत होने वाले नहीं हैं और न्याय के खातिर हमारी लड़ाई जारी रहेगी। इस दौरान राज्यपाल सुश्री अनुसुइया उडके से पीड़ित परिवार के सदस्यों ने मुलाकात कर अपनी पीड़ा से अवगत कराया व दोषी पार्षद सहित इस मामले के जिम्मेदार सभी पर कार्यवाही की मांग की।

इस दौरान पूर्व मंत्री व भाजपा वरिष्ठ विधायक अजय चंद्राकर,

जिला अध्यक्ष रायपुर शहर श्रीचंद सुंदरानी, सुधीर पांडेय, लोकेश कावड़िया, नरेश गुप्ता, रूप सिंह मंडावी, रामाश्रय सिंह, वेदप्रकाश पांडेय, सुरेश गुप्ता, संजय पांडेय, संग्राम सिंह राणा, झरना बघेल, शिखा शाह, राजकुमारी, संजुक्ता भारती, सविता पटनायक, संगीता बघेल, कलावती सेठिया, राजकुमारी बेसरा, भानमती बघेल, सिमरन नाग, तुलसी बघेल, राजकुमारी बाघ, स्वर्णमणि बघेल, रानी सिंह, ममता, भानु भारती, कस्तुरा भारती, अजना भारती, दुर्गा रॉय मौजूद रहे।

गृहमंत्री ने लिया नवा छत्तीसगढ़ सदन निर्माण कार्यों का जायजा



रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने नई दिल्ली के द्वारका में बन रहे नए छत्तीसगढ़ सदन का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को समय सीमा का ध्यान रखते हुये गुणवत्तापूर्ण कार्य निष्पादन के निर्देश दिये।

गौरतलब है कि देश की राजधानी दिल्ली में छत्तीसगढ़ से आने वाले अतिथियों की सुविधा के लिए द्वारका के सेक्टर 13 में 60 करोड़ 42 लाख का लागत से नवा छत्तीसगढ़ सदन का

निर्माण किया जा रहा है। इस सदन के निर्माण के लिए 43 हजार 803 वर्गफीट भूमि 22.50 करोड़ रुपए में क्रय की गई है।

निरीक्षण के दौरान गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने अधिकारियों से कार्य की प्रगति की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश दिये। अधिकारियों ने साहू से बताया कि कोरोना काल के दौरान कार्य की धीमी गति को अब कवर किया जा रहा है। इस दौरान उनके साथ लोक निर्माण विभाग के अधिकारी आर.पी. यादव भी उपस्थित रहे।

पीयूष गोयल ने व्यापारियों से उद्यम पंजीकरण कराने का किया आग्रह

रायपुर/नवप्रदेश। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने देश के व्यापारिक समुदाय से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय के उद्यम पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने का आग्रह किया। उद्यम पोर्टल पर व्यापारियों के रजिस्ट्रेशन से उन्हें बैंकों और वित्तीय संस्थानों से प्रायोरिटी सेक्टर लेंडिंग के अंतर्गत लोन मिल सकेगा, जो उनकी व्यावसायिक गतिविधियों को मजबूत करेगा और उन्हें किसी भी घरेलू या वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए अनुकूल बनाएगा।

पीयूष गोयल आज कैट के कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी के साथ बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने टेक्सटाइल पर 5 फीसदी जीएसटी लगाने का मुद्दा उठाने के कैट के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया और आश्वासन दिया कि वह जल्द ही इस मामले को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सामने उठाएंगे।

फुटवियर पर 12 से घटाकर 5 फीसदी जीएसटी करने का आग्रह

कैट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अमर पारवानी ने उद्योग पर व्यापारियों के लिए एक विंडो प्रणाली बनाने और कपड़ा व्यापार के संबंध में जीएसटी के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा दिए गए आश्वासन की सराहना की। पारवानी ने केंद्रीय मंत्री से फुटवियर पर भी 5 फीसदी जीएसटी लगाने का आग्रह किया है, जिसमें जीएसटी परिषद द्वारा टैक्स की दर को बढ़ाकर 12 फीसदी कर दिया गया है। पारवानी ने बताया कि जल्द ही कैट का एक प्रतिनिधिमंडल पीयूष गोयल से मुलाकात करेगा और घरेलू



रजिस्ट्रेशन के बाद व्यापारियों को व्यापार करने में होगी आसानी
पीयूष गोयल ने कहा कि एक बार जब देश भर के व्यापारी उद्यम रजिस्ट्रेशन प्राप्त कर लेंगे तो इसे देश में व्यापारिक गतिविधियों के संचालन के लिए विभिन्न लाइसेंस प्राप्त करने के लिए उद्यम नम्बर को एकल बिंदु के रूप में विकसित किया जा सकता है, जिससे व्यापारियों को व्यापार करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार घरेलू व्यापार के संरचनात्मक विकास और उन्न लोگو को सभी असेसर पदान करने के लिए प्रतिबद्ध है जो अपने उत्पादों को अन्य देशों में निर्यात करने के इच्छुक हैं।

व्यापार के ज्वलंत मुद्दों पर अपना श्वेत पत्र प्रस्तुत करेगा। पारवानी एवं प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र देशी ने उद्योग पर व्यापारियों के लिए एक विंडो प्रणाली बनाने और कपड़ा व्यापार के संबंध में जीएसटी के मुद्दे को आगे बढ़ाने के लिए केंद्रीय वाणिज्य मंत्री के दिए आश्वासन की सराहना की। इस दौरान के कैट कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखोजा, महामंत्री सुरिन्द्र सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल एवं मीडिया प्रभारी संजय चौबे उपस्थित रहे।

14 दुकानों का निरीक्षण 4 व्यापारियों को नोटिस

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में रबी फसल के लिए रासायनिक खादों की किल्लत हो गई है। दूसरी ओर सहकारी सोसायटियों में पर्याप्त मात्रा में खाद नहीं होने के कारण किसान दर-दर भटकाने को मजबूर है। गांवों से लेकर शहरों तक में खाद की जबरदस्त कालीबाजारी की जा रही है। किसान, मजबूरी में महंगे दाम में निजी दुकानों से खाद खरीद रहे हैं। इधर, खाद की कालाबाजारी को देखते हुए कृषि विभाग ने निरीक्षण करके रायपुर जिले के चार दुकानदारों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों का कहना है कि इस साल रबी फसल के लिए केंद्र सरकार से 7.50 लाख मीट्रिक टन यूरिया, पोटाश, डीएफ, सुपर फस्फेट, एनपीके जैसे खाद की मांग



की गई थी, लेकिन प्रदेश को 3.20 लाख मीट्रिक टन खाद ही मिला है। बता दें कि प्रदेश में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी सात फरवरी को बंद हुई है। इस कारण कई सोसायटियों में खाद नहीं बांट रहे थे।

कम आवंटन से प्रदेश में उर्वरकों की कमी

यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में इस साल रबी सीजन में 18 लाख 50 हजार हेक्टेयर में विभिन्न फसलों की बुआई का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक 15 लाख 76 हजार हेक्टेयर में बोनी हो चुकी है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा भारत सरकार को 7.50 लाख मेट्रिक टन रासायनिक उर्वरक की मांग भेजी गई थी, जिसमें यूरिया 3.50 लाख मेट्रिक टन, डीएपी 2 लाख मेट्रिक टन, पोटाश 50 हजार मेट्रिक टन, एनपीके काम्प्लेक्स 75 हजार मेट्रिक टन एवं सुपर फस्फेट (शराइ) 75 हजार मेट्रिक टन है। जिसके विरुद्ध भारत सरकार द्वारा 4,11,000 मेट्रिक टन स्वीकृति दी गई, जो छत्तीसगढ़ राज्य की मांग का 55 प्रतिशत है। यह राज्य की मांग के अपेक्षा काफी कम है।

उपलब्धता के अनुसार होगी खाद का वितरण

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ सरकार के रासायनिक उर्वरकों के डिमांड कोटे में 45 फीसद की कटौती भी केन्द्र सरकार ने कर दी है। 7 लाख 50 हजार मेट्रिक टन के विरुद्ध केन्द्र ने मात्र 4 लाख 11 हजार मेट्रिक टन उर्वरक प्रत्यय किए जाने की स्वीकृति दी है। जिसके चलते राज्य में रासायनिक उर्वरकों की कमी की स्थिति निर्मित हो गई है। इसके बावजूद भी राज्य के किसानों को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता के आधार पर सोसायटियों से खाद उपलब्ध कराई जा रही है। छत्तीसगढ़ राज्य विधान सभ से प्राप्त जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य को अब तक यूरिया 1,17,522 मेट्रिक टन प्राप्त हुआ है, जो राज्य की मांग का मात्र 34 प्रतिशत है। इसी तरह छत्तीसगढ़ राज्य को मांग का डीएपी मात्र 28 प्रतिशत, पोटाश 53 प्रतिशत, एनपीके काम्प्लेक्स 43 प्रतिशत प्राप्त हुआ है।

शासकीय विभागों को अब 10% छूट के साथ मिलेंगे उत्पाद

अब पृथक से निविदा की आवश्यकता नहीं और सीधे खरीदी की सुविधा

रायपुर/नवप्रदेश। सीएम भूपेश बघेल के निर्देशानुसार राज्य शासन के समस्त विभागों, शासकीय उपक्रमों तथा नगर निगमों आदि संस्थाओं को ‘‘छत्तीसगढ़ हर्बल्स’’ ब्रांड के उत्पादों को अपनी आवश्यकतानुसार छूट के साथ अनिवार्य रूप से क्रय करने के निर्देश दिए गए हैं। इस तारतम्य में मुख्य सचिव अमिताभ जैन द्वारा राज्य के समस्त विभागों, अध्यक्ष राज्य मंडल बिलासपुर, विभागाध्यक्षों, केलेक्टरों और सार्वजनिक उपक्रमों को पत्र भेजा गया है।

जिसमें निर्देशित किया गया है कि वे ‘‘छत्तीसगढ़ हर्बल्स’’ ब्रांड के अंतर्गत निर्मित उत्पादों को एमआरपी पर 10 प्रतिशत की छूट का लाभ लेते हुए शासकीय खरीदी किए जाने की व्यवस्था लागू करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री बघेल ने निर्देशित किया है कि राज्य शासन के समस्त विभागों, शासकीय उपक्रमों, नगर निगमों इत्यादि



अब सीधे क्रय की सुविधा

छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ मर्यादित द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक दवाओं, हर्बल उत्पादों एवं लघु वनोपज से प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों को निर्धारित दर एवं सीधे क्रय किए जाने तथा इस हेतु पृथक से निविदा बुलाए जाने की आवश्यकता नहीं होने के संबंध में छत्तीसगढ़ भण्डार क्रय नियम 2002 (रथासंघोधित 2020) के नियम 8 में संशोधन किए जाने का प्रावधान किया जा चुका है।

द्वारा राज्य के विभिन्न स्व-सहायता समूहों से प्रसंस्कृत किए जा रहे हर्बल उत्पादों का विक्रय छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अंतर्गत विभिन्न संजीवनी केन्द्रों के माध्यम से ‘‘छत्तीसगढ़ हर्बल्स’’ के नाम से किया जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...
टांग खींचने वाली केकड़ा पार्टी
वहां के हाल देखिए जवाब दें सोनिया गांधी। छत्तीसगढ़ में कितना को रोजगार दिए हैं। राजस्थान, पंजाब में कितना बेरोजगारी भत्ता दिया गया है। सब वायदे यह झूठे कर रहे हैं। भाजपा का दृष्टिपत्र आ गया है। पांच साल में प्रदेश में उसी के अनुरूप विकास करेंगे। देश में आज तक कितनी महामारी आई, लेकिन पहले की कांग्रेस सरकारों ने कभी भारत में वैक्सीन नहीं बनाई। मोदी सरकार में पहली बार स्वदेशी कोरोना वैक्सीन बनाई और पूरे विश्व को दी। इस अवसर पर द्वाराहाट विधानसभा के प्रत्याशी अर्निल सिंह साही भी मौजूद थे।
मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने और सिलिंडर के दाम कम करने की बात कहने वाली कांग्रेस पहले राजस्थान, पंजाब जैसे कांग्रेस शासित राज्यों में ये सब करके दिखाए। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पार्टी के नेता केकड़ों की

तरह एक दूसरे की टांग खिंचाई कर आपस में ही उलझे हैं, भला वह पार्टी प्रदेश और क्षेत्र का भला कैसे कर सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पीएम मोदी की बदौलत ही देश की जनता की जान बच पाई है। उनके नेतृत्व में तुरंत वैक्सीन का निर्माण हुआ और लोगों को मुफ्त में डोज लगनी शुरू हुई।

6 बजे तक 57.79% से

मतदान हुआ-गाजियाबाद में शाम 5 बजे तक 54.77व मतदान हुआ-हापुड़ में शाम 5 बजे तक 60.50% मतदान हुआ-मथुरा में शाम 5 बजे तक 58.51% मतदान हुआ-मेरठ में शाम 5 बजे तक 58.52% मतदान हुआ-मुजफ्फरनगर में शाम 5 बजे तक 62.14% मतदान हुआ-शामली में शाम 5 बजे तक 61.78% मतदान हुआ।

पश्चिमी उत्तरप्रदेश के 11 जनपदों की 58 विधानसभा सीटों में शाम 5 बजे तक कुल 57.79% मतदान हुआ

अभी तक मुजफ्फरनगर में सबसे ज्यादा 62.14% मतदान हुआनिर्वाचन आयोग ने जारी किया अब तक होने वाले मतदान का प्रतिशतआगरा

में शाम 5 बजे तक 56.61% मतदान हुआ-अलीगढ़ में शाम 5 बजे तक 57.25% मतदान हुआ-बागपत में शाम 5 बजे तक 61.35% मतदान हुआ-बुलंदशहर में शाम 5 बजे तक 60.52% मतदान हुआ-गीतमकुड़नगर में शाम 5 बजे तक 54.77% मतदान हुआ-गाजियाबाद में शाम 5 बजे तक 54.77% मतदान हुआ-हापुड़ में शाम 5 बजे तक 60.50% मतदान हुआ-मथुरा में शाम 5 बजे तक 58.51% मतदान हुआ-मेरठ में शाम 5 बजे तक 58.52% मतदान हुआ-मुजफ्फरनगर में शाम 5 बजे तक 62.14% मतदान हुआ-शामली में शाम 5 बजे तक 61.78% मतदान हुआ।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में विजय

भगोड़े व्यवसायियों को वापस लाने के अपने प्रयास में सफ्त हो भी सकती हैं और नहीं भी। ऐसे में अगर भगोड़े कारोबारी पैसे लौटाने पर सहमत हैं तो सरकार उन्हें सुरक्षा प्रदान करने पर विचार कर सकती है। इस पर भी विचार किया जा सकता है कि देश वापसी पर उनकी गिरफ्तारी न हो। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय विजय माल्या, निरव मोदी और मेहुल चौकसी के मामले में पिछले वर्ष दिसंबर माह

तक कुल 13,109.17 करोड़ रुपये की वसूली कर चुका है।

WWE रैसलर द ग्रेट खली

कई महीनों से चल रही थी। हालांकि, पार्टी को लेकर स्थिति साफ नहीं थी। उन्होंने कल केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी से मुलाकात की थी। इसके बाद खली के बीजेपी में शामिल होने की संभावना बढ़ गई थी। आज वह औपचारिक रूप से भगवा पार्टी के हो गए।

गुजरात दंगे के 20 साल

मिलिंग ने कहा कि मृतकों के अवशेषों की मांग को ब्रिटिश सरकार भी सपोर्ट करेगी। ब्रिटिश संसद में हुई इस चर्चा पर प्रतिक्रिया देते हुए वहां के भारतीय उच्चायोग ने कहा कि इस बारे में जानकारी ली गई है। हालांकि मृतकों के परिवारों ने अब तक इस बारे में संपर्क नहीं किया है।

भारतीय उच्चायोग में प्रभारी विश्वेस नेगी ने कहा, जिस संसद ने संसद में यह मुद्दा उठाया है उसने कभी उच्चायोग से संपर्क नहीं किया। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिवार ने भी इस तरह की सूचना या मांग नहीं की।

